

Chapter-8

वे दिन भी क्या दिन थे

Exercise 8.1

1 Mark Questions

प्रश्न 1. क्या तुम बता सकते हो कि किस प्रकार की किताबें अध्यापक की मदद से पढ़ने में आसानी और गहराई होती हैं?

उत्तर: अध्यापक की मदद से पढ़ने में आसानी होती है क्योंकि वह हमें सीधे सवालों का सामना करने में मदद कर सकते हैं, और हमें सही तरीके से समझा सकते हैं।

प्रश्न 2. जब भविष्य में मशीनें स्कूल की जगह लेंगी, तो यह किस प्रकार का परिवर्तन होगा?

उत्तर: जब मशीनें स्कूल की जगह लेंगी, तो यह शिक्षा में नए और अनुकूल परिवर्तनों का सामना करेगा, लेकिन साथ ही शिक्षा का एक अंग खो जाएगा जो गुरुशिष्य के बीच सांविदानिक और सांवेदनिक जुड़ाव बनाए रखता है।

प्रश्न 3. क्या हो सकता है यदि हम पुरानी पुस्तकों को बराबरी के साथ एकत्र करके बचा लें और उन्हें आगे से बचाएं?

उत्तर: यदि हम पुरानी पुस्तकों को बचा लें और उन्हें सुरक्षित रखें, तो हमारी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए रखने के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत मिलेगा।

प्रश्न 4. क्या आपको लगता है कि मशीनों की मदद से पढ़ना और शिक्षा प्राप्त करना एक अच्छा विचार है?

उत्तर: हाँ, मशीनों की मदद से पढ़ना और शिक्षा प्राप्त करना एक अच्छा विचार है, लेकिन हमें इसे सही तरीके से और संतुलित रूप से उपयोग करना चाहिए।

प्रश्न 5. तुम्हारी राय के अनुसार, किताबें कौनकौन से अन्य साधनों के साथ अपनी अहमियत बनाए रखती हैं?

उत्तर: किताबें अन्य साधनों के साथ अपनी अहमियत इसलिए बनाए रखती हैं क्योंकि वे हमें ज्ञान, साहित्य, कला, और बहुत सी अन्य चीजों का अध्ययन करने का मौका देती हैं, जो दूसरे साधनों से कम होता है।

Exercise 8.2

2 Marks Questions

प्रश्न 1. 1967 में हिंदी में छपी इस कहानी में कल्पना की गई है कि सालों बाद स्कूल की जगह मशीनें ले लेंगी। तुम भी। कल्पना करो कि बहुत सालों बाद ये चीजें कैसी होंगी
उत्तर: अपनी कल्पना के आधार पर स्वयं करो।

प्रश्न 2. कुम्भी के हाथ आई गई किताब का नाम और लेखक कौन थे?

उत्तर: "ए टेल टेल हार्ट" नामक किताब का लेखक ओ. हेनरी था।

प्रश्न 3. रोहित का कहना है कि कितनी पुस्तकें बेकार जाती हैं। इस पर आपका क्या विचार है?

उत्तर: रोहित का कहना सही है कि पुस्तकें बर्बाद नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमें उन्हें एक सावधानीपूर्वक और उपयोगी तरीके से पढ़ना चाहिए।

प्रश्न 4. कागज़ से पहले छपाई किताबें कौनकौन सी चीजों पर होती थीं?

उत्तर: कागज़ से पहले छपाई किताबें पत्तों, ताम्रपत्रों, और लकड़ी पर होती थीं।

प्रश्न 5. तुम्हारे अनुसार, किताबें सिर्फ पढ़कर ही नहीं बल्कि किस अन्य तरीकों से भी इस्तेमाल हो सकती हैं?

उत्तर: किताबें पढ़कर ही नहीं, बल्कि उन्हें संग्रहित करके रखना, साझा करना, उनसे सीखना, और उन्हें समर्थन में लेना भी एक अच्छा तरीका है।

प्रश्न 6. क्या आपको लगता है कि किताबों की जगह कम्प्यूटर और इंटरनेट ने ले ली है?

उत्तर: हाँ, किताबों की जगह कम्प्यूटर और इंटरनेट ने ले ली है, लेकिन किताबें एक अद्वितीय और सांस्कृतिक मौजूदगी का हिस्सा बनी रहती हैं जो इंटरनेट से नहीं मिल सकता।

प्रश्न 7. तुम्हारे अनुसार, किताबों का सच्चा सौंदर्य क्या है?

उत्तर: किताबों का सच्चा सौंदर्य उनकी सामग्री, उनका सर्जनात्मक डिजाइन, और उनकी अनुपम आत्मा में होता है, जो पढ़ने वाले को एक विशेष अनुभव प्रदान करता है।

Exercise 8.3

4 Marks Questions

प्रश्न 1. कुम्भी के हाथ जो किताब आई थी वह कब छपी होगी?

उत्तर: वह किताब सदियों पहले छपी होगी।

प्रश्न 2. रोहित ने कहा था, “कितनी पुस्तकें बेकार जाती होंगी। एक बार पढ़ी और फिर बेकार हो गई।” क्या सचमच में ऐसा होता है?

उत्तर: वे ही पुस्तकें बर्बाद होती हैं जिन्हें लोग पढ़कर फेंक देते हैं या कबाड़ी वाले से बेच देते हैं। यदि पुस्तकें पढ़कर उन्हें हिफाजत से रख दी जाएं तो वे कभी बर्बाद नहीं होतीं बल्कि पीढ़ी दर पीढ़ी पढ़ी जाती हैं और उनकी उपयोगी बातें जीवन में उतारी जाती हैं।

प्रश्न 3. कागज के पत्रों की किताब और टेलीविजन के पर्दे पर चलने वाली किताब तुम इनमें से किसको पसंद करोगे? क्यों?

उत्तर: मैं कागज के पत्रों की किताब पसंद करूंगा क्योंकि इसे कभी भी पढ़ा जा सकता है। इतना ही नहीं ऐसी किताबों को एक से अधिक बार भी पढ़ा जा सकता है, किस्तों में भी पढ़ा जा सकता है। ये सारी बातें टेलीविजन के पर्दे पर चलने वाली किताब में नहीं मिलती।

प्रश्न 4. तुम कागज पर छपी किताबों से पढ़ते हो। पता करो कि कागज से पहले की छपाई किस किस चीज पर हुआ करती थी?

उत्तर: कागज से पहले की छपाई पत्तों, ताम्रपत्रों और लकड़ी पर हुआ करती थी।

प्रश्न 5. तुम मशीन की मदद से पढ़ना चाहोगे या अध्यापक की मदद से? दोनों के पढ़ाने में किस किस तरह की आसानियाँ और मुश्किलें हैं?

उत्तर: मैं अध्यापक की मदद से पढ़ना चाहूंगा क्योंकि वे हमारे सामने खड़े होकर पाठ पढ़ाते हैं अतः पाठ को समझने में आसानी होती है। यदि हम एकबार में कोई बात नहीं समझ पाते तो अध्यापक हमें दोबारा समझाते हैं। पढ़ाने के क्रम में यदि वे हमें डाँटते हैं तो प्यार भी दिखलाते हैं। कक्षा में एक अपनापन जैसा माहौल छा जाता है। मशीन की मदद से पढ़ाई में ये सारी बातें नहीं होंगी। ऐसी पढ़ाई ऊबाऊ भी हो सकती है।

Exercise 8.4

Summery

"कुम्मी की कहानी" एक उत्कृष्ट कहानी है जो हमें पुस्तकों और शिक्षा के महत्व को समझाती है। इस कहानी में, कुम्मी को एक पुरानी किताब मिलती है जिसे उसके दादा ने उसे दी थीं। कुम्मी उस किताब के माध्यम से सुंदर विचारों और सीखों से मिलती हैं।

कुम्मी की जिज्ञासा उसे और भी अधिक पढ़ने की प्रेरित करती है और वह नई नई पुस्तकें पढ़ने लगती है। इससे उसकी सोच बदलती है और उसे नई दृष्टिकोण मिलता है।

यह कहानी हमें यह सिखाती है कि पुस्तकें हमारे जीवन को कैसे पूर्ण बना सकती हैं और शिक्षा का महत्व क्या है। इसके अलावा, यह दिखाती है कि हमें कभी भी आत्मसमर्पण और जिज्ञासा बनाए रखना चाहिए ताकि हम नए और सुधारित तरीकों से जीवन को देख सकें।